श्याम मुरली तो बजाने आओ | By Lakhbir Singh Lakkha

श्याम मुरली तो बजाने आओ
रूठी राधा को मनाने आओ

ढूंढती हैं तुम्हे ब्रज की बाला
रास मधुबन में रचाने आओ

राह तकते हैं ये ग्वाले कबसे
फिर से माखन तो चुराने आओ

इंद्र फिर कोप कर रहा ब्रज पर
नख पे गिरवर तो उठाने आओ

अपने शर्मा को फिर से मनमोहन
पाठ गीता का पढ़ाने आओ

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%ae%e0%a5%81%e0%a4%b0%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%a4%e0%a5%8b-%e0%a4%ac%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%86%e0%a4%93-by-lakhbir-singh-lakkh/